भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

जनसंदेश टाइम्स

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 01.06.2019

# यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरीडोर की होगी मैपिंग

**समझौता**

## आईआईटी का एसरी इंडिया के साथ एमओयू

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू ने शुक्रवार को एसरी इंडिया के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया है। यह कवायद डिफेंस इंडस्ट्रियल कोरिडोर मैपिंग, नमामि गंगे, सागरमाला और स्मार्ट सिटीज जैसी कई सरकारी कार्यक्रमों के लिए कौशल विकास के साथ भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी सहायता प्रदान करने के लिए किया गया है। एसरी इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर और समझौते के तहत आईआईटी बीएचयू और एसरी इंडिया उत्तर प्रदेश समेत पड़ोसी राज्यों में विशिष्ट भू-स्थानिक कौशल, तकनीकी ज्ञान और संसाधनों को विकसित करने के लिए जियोस्पेशियल विशिष्टता के एक केंद्र की स्थापना के लिए सहयोग करेंगे।

हस्ताक्षर के उपरांत एक दूसरे को दस्तावेज सौंपते निदेशक प्रो.पीके जैन और एसरी इंडिया के अध्यक्ष अगेंद्र उनके साथ अन्य।

## आईआईटी बीएचयू के पूर्व छात्र हर जगह फैले हुए : अगेंद्र

एसरी इंडिया के अध्यक्ष अगेंद्र कुमार ने कहा कि एसरी इंडिया आईआईटी (बीएचयू) के साथ सेंटर ऑफ जियोस्पेशियल एक्सीलेंस बनाने के लिए हुए समझौते से सम्मानित महसूस कर रहा है। संस्थान का पुरा-छात्र आधार पूरे भारत में और विदेशों में फैला हुआ है और पिछले एक सौ वर्षों से यह संस्थान विश्व को विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी ज्ञान प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि जीआईएस प्रौद्योगिकी का उपयोग कई सरकारी कार्यक्रमों में एक आधार के रूप में किया जाता है। भारत में जीआईएस पेशेवरों की उपलब्धता बढ़ाने में यह समझौता बेहद कारगर साबित होगा और इससे सरकार की विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं यथा डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर मैपिंग आदि के क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

## जीआईएस तकनीक का उपयोगी: प्रो.पी जैन

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने रक्षा औद्योगिक गलियारे और अन्य परियोजनाओं के लिए एसरी इंडिया के साथ संस्थान के समझौते पर बताया कि एसरी की जीआईएस तकनीक का उपयोग देश में बड़ी संख्या में सरकारी परियोजनाओं में किया जा रहा है। आईआईटी बीएचयू एसरी इंडिया के सहयोग से इस गलियारे और अन्य परियोजनाओं की मैपिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यूपी राज्य में एक जीआईएस कौशल-आधार बनाने में मदद करेगा। उन्होंने बताया कि रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रक्षा उपकरण के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आरंभ की गई एक प्रतिष्ठित परियोजना है जिससे आईआईटी बीएचयू रिकल पार्टनर के रूप में जुड़ा है। यह परियोजना राज्य के छह जिलों को कवर करती है और इस हेतु राज्य सरकार ने लगभग 3000 एकड़ भूमि रक्षा संबंधित उद्योगों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। जीआईएस प्रौद्योगिकी का उपयोग भूमि पार्सल, परिवहन बुनियादी ढांचे, सहायक उद्योगों, कच्चे माल की उपलब्धता आदि के मानचित्रण के लिए किया जाएगा।